RNI No.: UPHIN/2010/32733

ग्राम भारती

कृषि, ग्रामीण विकास, सहकारिता और पंचायती राज का पाक्षिक

लखनऊ, वर्ष 11 अंक 9, रविवार, 16 अगस्त, 2020, पृष्ठ – 12

स्वतंत्रता दिवस विशेषांक

आत्मनिर्भर किसान – आत्मनिर्भर भारत

स्वतंत्रता दिवस

के पावन अवसर पर सभी ग्रामवासियों
क्षेत्र वासियों एवं विकास खण्ड राजगढ़ के
सम्मानित अधिकारियों कर्मचारियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

समग्र गाँव के विकास
के साथ साथ युवाओं, महिलाओं,
प्रवासी श्रमिको के सहयोग एवं
स्वालम्बी बनाने की दिशा में
दृढ़ संकल्पित

रामेश्वर सिंह
ग्राम प्रधान/प्रबन्धक
रामेश्वरम् समाज सेवी संस्था
खोराडीह, राजगढ़ (मीरजापुर)
मो. 9793073072, 9415870742

स्वतंत्रता दिवस

पर सभी भारवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शत शत नमन, भारत की आन बान इस तिरंगे को
जय हिन्द जय भारत
स्वदेशी अनाओं-देश बचाओं

Bharatgas
Bharat Petroleum
COOK FOOD. SERVE LOVE.

शाहजहाँपुर गैस एजेंसी
(भारत गैस के डीलर)
कैरूगंज, शाहजहाँपुर
हरिनारायण खन्ना
प्रोपराइटर
मो. 9415035269

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त 2020
के शुभ अवसर पर हार्दिक

शुभकामनाएं

आशीष मैसी
निदेशक
नैव टेक्निकल इंस्टीट्यूट
शाहजहांपुर, उ.प्र.

स्वतंत्रता दिवस

देश को समर्पित नई शिक्षा नीति,
देशवासियों को नमन एवं हार्दिक शुभकामनाएं

नई शिक्षा नीति के तहत व्यवसायिक शिक्षा प्रापत नव युवक एवं युवतियों को शीघ्र नौकरी मिलेगी। आप सभी निम्न व्यवसायिक कोर्सों में प्रवेश लेकर व्यवसायिक शिक्षक/उद्यमी बनें।

डॉ. वाई.एम. सलमानी

कोर्सेज :-
1. डीएचसी - होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड एवं शासन द्वारा मान्यता प्राप्त।
2. कम्यूनिटी मेडिसिन, पंचकर्म टेक्नीशियन एनआईओएस से मान्यता प्राप्त।
3. डीएमवाईटी बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी से मान्यता प्राप्त।

प्रवेश के लिए सम्पर्क करें :-

सलमानी होम्योपैथिक फार्मेसी कालेज
अम्बेडकर नगर
रीजनल आफिस
सलमानी टीचिंग हास्पिटल
ब्रह्मस्थान सदर, आजमगढ़
समपर्क सूत्र : 9807535980, 9450027316, 7985965667

ग्राम भारती

पाक्षिक

वर्ष 11, अंक 09

16 से 31 अगस्त, 2020

(कृषि, ग्राम विकास, सहकारिता एवं पंचायत का पाक्षिक)

गणतंत्र दिवस विशेषांक

संपादक

सर्वेश कुमार सिंह

पृष्ठ 12, मूल्य 10 रूपये

संपादकीय कार्यालय
204, दूसरा तल, प्रिंस काम्पलेक्स
हजरतगंज, लखनऊ-226001

Phone & Mob. No.
9453272129 ,
Whatsapp No.
9140624166
E mail: grambhartilko@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः सर्वेश कुमार सिंह

प्रिंटरः माडर्न प्रिन्टर्स,10 घसियारी मण्डी, कैसरबाग,लखनऊ लखनऊ 226001

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का लक्ष्य

संपादकीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस 15 अगस्त 2020 को लालकिला से दिये ऐतिहासिक भाषण में जहां आजादी के 74 वर्ष के इतिहास का सिंहावलोकन किया वहीं, उन्होंने अगले एक साल बाद 'आजाद भारत का 75 वां साल' शुरू होने पर देश के सामने लक्ष्य निर्धारित किया। जब 15 अगस्त 2021 को हम स्वतंत्रता का 75वां दिवस मनाएंगे तो हमारे सामने क्या-क्या प्राथमिकताएं होंगीं ? इस पर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बहुत ही सरल शब्दों में बता दिया कि जब किसी परिवार में युवा 20 से 21 साल का हो जाता है तो परिवार कहता है कि अपने पैरों पर खड़े हो जाओ। यानि कि, आत्मनिर्भर हो जाओ। यही बात देश पर भी लागू होती है, हमें आजाद हुए 74 साल हो गए हैं। हम कब आत्मनिर्भर होंगे? इस प्रश्न को मोदी ने जनता के सामने रखा। यह बात सही है कि साढ़े सात दशक बीत जाने के बाद भी हम पूरी तरह आत्मनिर्भरता को प्राप्त नहीं कर सके, तो कब करेंगे। उनका आशय एकदम स्पष्ट था कि भारत को अब आत्मनिर्भर होना है। हालांकि हमने कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता प्राप्त की है। जैसे कृषि उत्पादन, ऊर्जा, संचार, निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुए हैं। लेकिन, हमें पूरी तरह से आत्मनिर्भरता को प्राप्त करना है। भारत के कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद इस क्षेत्र के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मोदी ने आत्मनिर्भरता का जो मंत्र दिया, वह ह्लगांव-किसान-खेतीह्व पर आधारित है। लालकिला की प्राचीर से जब मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मतलब है- 'आत्मनिर्भर कृषि, आत्मनिर्भर किसान' तो यह कृषि प्रधान भारत की आत्मा से निकली आवाज थी। बहुत स्पष्ट है कि देश को आत्मनिर्भरता लाने के लिए गांवों की तस्वीर को बदलना होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, शुद्ध पेयजल, तकनीक के माध्यम से आम ग्रामीण जन-जीवन का स्तर सुधार कर ही इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। किसान की आय में बढ़ोत्तरी किये बगैर यह लक्ष्य हासिल नहीं होंगे। इस बात को प्रधानमंत्री अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने आत्मनिर्भरता के लिए स्थानीय उत्पाद को प्राथमिकता पर रखने का संदेश दिया। नारा दिया 'वोकल-फार-लोकल' । इसीलिए उन्होंने आत्मनिर्भरता के लिए मध्यम वर्ग के महत्व और उसके योगदान को भी रेखांकित किया। आत्मनिर्भरता के इस संकल्प को उन्होंने 'महापर्व का संकल्प' कहा। प्रधानमंत्री ने इस पन्द्रह अगस्त को न केवल आजादी के लिए हुए बलिदानों का स्मरण किया, बल्कि उन बलिदानियों के सपनों का 'नया भारत' बनाने का रास्ता भी दिखा दिया और संकल्प भी करा दिया।

अपनी बात

ग्राम भारती का स्वतंत्रता दिवस विशेषांक आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए संतोष का अनुभव हो रहा है। क्योंकि कोरोना काल में जब जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हो, ऐसी स्थिति में प्रकाशन भी एक दुरुह कार्य है। वह भी किसी ऐसे समाचार पत्र या पत्रिका के लिए जो किसी खास मिशन के लिए प्रकाशित किया जा रहा हो। लेकिन, हमने निश्चय किया कि इस राष्ट्रीय पर्व पर पूर्व की भांति ही विशेषांक का प्रकाशन होगा। हमारा यह संकल्प आप सभी सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं की शुभेच्छाओं से पूर्ण हुआ है।

ग्राम भारती एक सामान्य पाक्षिक समाचार पत्र नहीं है। यह एक मिशन है, जोकि किसी लाभ के व्यवसाय के लिए संचालित नहीं है। हम गांव, किसान, खेती और उस ग्रामीण जनजीवन को समर्पित पाक्षिक का प्रकाशन कर रहे हैं, जिसमें सिर्फ और सिर्फ गांव से जुडे समाचारों, विशेषणों, आलेखों का ही प्रकाशन किया जाता है। हमारा किसी दल या विचारधारा को प्रोत्साहित करने या हतोत्साहित करने का भी कोई लक्ष्य या मंतव्य कदापि नहीं है। इसीलिए सभी ग्रामीण शुभचिंतकों का समाचार सामग्री में हम स्वागत करते हैं। इस प्रयास में हम दस साल से अनवरत जुटे हैं। बगैर किसी सरकारी सहयोग या अनुदान के आपके जन सहयोग की शक्ति से यह संभव भी हो सका है। ग्राम भारती के प्रकाशन का यह 11 वां वर्ष है। आशा है यह यात्रा आगे भी आपके सहयोग से इसी तरह अनवरत बढ़ती रहेगी।इस विशेषांक में जिन महानुभावों, संस्थानों, विभागों ने विज्ञापन देकर सहयोग किया है। हम उनके हृदय से आभारी हैं। आपके द्वारा प्रदान की गई यह शक्ति हमें ग्रामीण सरोकारों को और अधिक सशक्त ढंग से उठाने तथा सरकारों, शासन-प्रशासन के सामने लाने में बल प्रदान करेगी।

सादर

अनगिनत त्याग और बलिदानों से मिली स्वाधीनता

आत्मनिर्भर भारत का मंत्र ही हमें महाशक्ति बना सकता हैः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन उत्साह और उमंग का दिन है। सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में स्वाधीनता आन्दोलन चला था। मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, बाबा साहब डॉ. भीम राव आम्बेडकर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे भारत माता के वीर सपूतों को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पांच पुलिस कर्मियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की। मख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा विश्व वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है। कोविड-19 के विरुद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से व्यवस्थित रूप में कार्य योजना प्रारम्भ हुई, उसी का परिणाम है कि दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत सुरक्षित और संतोषजनक स्थिति में है। उत्तर प्रदेश में 18 करोड़ लोगों को अप्रैल, 2020 से लेकर अब तक अनवरत महीने में दो बार खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

श्री आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखना है तो हमें भारत को एक महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करना होगा। प्रधानमंत्री जी ने भारत को महाशक्ति बनाने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर भारत का जो मंत्र दिया है, यह मंत्र ही भारत को महाशक्ति बना सकता है। प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर पैकेज के माध्यम से देश और प्रदेश सशक्त हो रहे हैं। स्वदेशी और स्वावलम्बन के महत्व के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश में एक जनपद एक उत्पाद योजना को आगे बढ़ाया गया ह। हर जनपद में एक उत्पाद को चिन्हित कर उसकी ब्राण्डिंग, मार्केटिंग, डिजाइनिंग और उसको तकनीक के साथ जोड़कर वैश्विक बाजार में उसे आगे बढ़ाने का कार्य मजबूती से हुआ है। इससे प्रदेश में निर्यात की सम्भावनाएं भी बढ़ी हैं। उत्तर प्रदेश में कोरोना काल में अन्नदाता के लिए योजनाएं सफलतापूर्वक संचालित की गयीं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, लॉकडाउन के दौरान किसानों को मशीनरी उपलब्ध कराने के कार्य सहित विभिन्न कार्यों को प्रदेश सरकार ने सफलतापूर्वक किया। किसानों द्वारा अपनी फसल काटने व बाजारों तक पहुंचाने हेतु राज्य सरकार की कार्ययोजना को अंगीकार करते हुए दिखा दिया गया कि कोरोना काल खण्ड के दौरान हम संकट में भी समाधान का मार्ग निकाल लेते हैं। कोरोना काल खण्ड में प्रदेश में 119 चीनी मिलों व 2,500 कोल्ड स्टोरेज का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। 40 लाख से अधिक कामगार/श्रमिक वापस उत्तर प्रदेश आए। प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे व मेट्रो के कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा रहा है। आजादी के बाद से वर्ष 2016 तक केवल 12 मेडिकल कॉलेज ही उत्तर प्रदेश में थे। विगत 03 वर्षों के दौरान 19 नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य व 2 नए एम्स का निर्माण प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में देश आजादी के 75 वर्ष पूरे करेगा, तब हमें कैसा भारत चाहिए। प्रधानमंत्री जी ने हम सबके सामने कुछ लक्ष्य रखे हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को सहयोग करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला देश माना जाता है। नागरिकता संशोधन कानून के रूप में यह स्पष्ट हुआ कि हम दुनिया में पीड़ित व प्रताड़ित मानवता के साथ सदैव खड़े रहेंगे।

74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन पर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने देश की स्वाधीनता के लिए बलिदान होने वाले वीर शहीदों, क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य योगदान का स्मरण किया।

अवध किसान आन्दोलन

अंग्रेजों के खिलाफ किसानों का संगठित प्रतिरोध

बाबा की बढ़ती लोकप्रियता से घबराये मोती लाल नेहरू ने एक बार बाबा को वार्ता के लिए इलाहाबाद स्थित आनन्द भवन में बुलाया और धोखे से उन्हें आनन्द भवन में नजरबन्द कर दिया।

ओम प्रकाश तिवारी

1856 में अवध पर ब्रिटिश हुकूमत कायम होने के बाद किसानों का बेइन्तिहा शोषण आरम्भ हुआ। शोषण करने वाले ताल्लुकेदार और जमींदार थे। ब्रिटिश हुकूमत का हित जमींदारों एवं ताल्लुकेदारों के माध्यम से किसानों से अधिक से अधिक कर वसूलने में था। कर के अलावा किसानों से तमाम प्रकार की बेगारी अलग से करवाई जाती थी। इसके अलावा किसनों के सिर पर बेदखली की तलवार हमेशा लटकी रहती थी। शोषण और जुल्म के खिलाफ अवध के किसान 19वीं शाताब्दी के उत्तरार्द्ध में ही कसमसाने लगे थे। लेकिन अंग्रेजी शासन और जमीदारों के खिलाफ अवध के किसानों का संगठित विद्रोह 1920 में प्रारम्भ हुआ था। अवध किसान सभा किसानों के संघर्ष की प्रतीक थी।

अवध किसान सभा उत्तर प्रदेश किसान सभा से अलग होकर बनी थी। 1917 में मदन मोहन मालवीय, मोतीलाल नेहरु, गौरी शंकर मिश्र आदि के प्रयासों से उत्तर प्रदेश सभा का गठन हुआ था। यह किसान सभा किसानों के शांषण के खिलाफ आवाज उठाती थी। लेकिन 1921 में खिलाफत आन्दोलन के मसले पर कांग्रेस में मतभेद खुलकर सामने आये। इस मतभेद से उत्तर प्रदेश किसान सभा भी अछुती नहीं रही और शीघ्र ही अवध के किसानों ने 1921 में उत्तर प्रदेश किसान सभा से अलग अवध किसान सभा का गठन किया। कुछ ही महीनों में अवध क्षेत्र की उत्तर प्रदेश किसान सभा की सभी इकाइयों का विलय अवध किसान सभा में हो गया। अवध किसान सभा का मुख्यालय प्रतापगढ़ जनपद की पट्टी तहसील के रूरे गांव में बनाया गया। यहां पर किसानों ने जमीदारों के शोषण के खिलाफ एक किसान कौंसिल की स्थापना पहले ही कर रखी थी। पं. गौरी शंकर मिश्र, बाबा झिंगुरी सिंह, माताबदल पाण्डेय तथा माता चरन कुर्मी इस किसान कौंसिल की धुरी थे।ब

ाद में यही किसान अवध किसान आन्दोलन की धुरी बने। अवध किसान सभा के भाग्य से जल्द ही बाबा राम चन्द्र नाम के ऐसा का व्यक्तित्व किसानों को मिला। जिसमें अद्भुत सांगठनिक क्षमता थी। बाबा राम चन्द्र फिजी में गिरमिटिया मजदूर नेता रह चुके थे। वह खेती की नई-नई विधियों से परिचित थे। फिजी से लौटने के बाद बाबा राम चन्द्र सुल्तानपुर के कोइरीपुर गांव में रहने लगे थे। रूरे गांव में किसानों के संगठन की चर्चा सुनकर बाबा यहां आ गये और जल्द ही अवध किसान सभा की धुरी बन गये।

बाबा राम चन्द्र ने अपनी सांगठनिक क्षमता से शीघ्र ही अवध किसान सभा का विस्तार पूरे अवध क्षेत्र में कर दिया। अवध के किसान और खेतिहर मजदूर उन्हें देवता स्वरूप पूजने लगे थे। बाबा की वाणी में जादू था। उनकी एक आवाज प़र हजारों किसान इकट्ठे हो जाया करते थे। बाबा ने किसानों को शोषण के खिलाफ जगाने का काम किया। किसानों की चेतना को देखकर अवध के ताल्लुकेदारों एवं जमींदारों ने बाबा के ऊपर तमाम तरह के जुल्म ढाये तथा किसानों को उनके खिलाफ बरगलाया लेकिन बाबा तनिक भी विचलित नहीं हुए। जमीदारों एवं ताल्लुकेदारों के खिलाफ बाबा के आह्वान पर अवध के किसानों ने 1923 में सामाजिक बहिष्कार की पहली संगठित कार्यवाई की। इस कार्यवाई का नाम नाई-धोबी बन्द आन्दोलन पड़ा। सामाजिक बहिष्कार की कार्यवाई के तहत किसानों तथा मजदूरों ने जमीदारों एवं ताल्लुकेदारों का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। अन्त में जमीदारों को किसानों की सांगठनिक ताकत के सामने घुटने टेकने पड़े।

अवध किसान आन्दोलन पर स्थानीय परिस्थितियों के अलावा अन्तरराष्ट्रीय परिस्थितियों का भी प्रभाव पड़ा। जिस समय अवध के किसान आन्दोलन का प्रारम्भ हुआ उसी समय द्वितीय विश्वयुद्ध का अवसान हुआ था। सोवियत संघ पर जापान की विजय का भी असर अवध के किसानों पर पड़ा। इसके अलावा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने सेना से हजारों की तादाद में सैनिकों की छटनी की। छटनीशुदा सैनिकों में सबसे ज्यादा तादाद अवध के सैनिकों की थी। यही छंटनीशुदा सैनिक बाद में अवध किसान आन्दोलन के काम आये। रूस की बोल्सेविक क्रान्ति का प्रभाव अवध किसान आन्दोलन पर था। ब्रिटिश हुकूमत अवध के किसानों के लिए पहले चोर और डाकू जैसे शब्दों का इस्तमाल करती थीं। बाद में इसमें बोल्सेविक शब्द भी जुड़ गया। हालाकि तबतक अवध में वामपंथी विचारधारा का उदय नहीं हुआ था। दरअसल अवध के किसानों के पास अपनी जमीन थी ही नहीं। वह किसान नहीं बल्कि खेतिहर मजदूर था। जमींदार की जब इच्छा होती थी तब उसे जमीन से बेदखल कर देता था। इतिहासकारों के अनुसार आजादी के पूर्व अवध का समाज आर्थिक रूप से शोषक एवं शोषित वर्गों में विभाजित था। हालांकि 1921 में कानपुर में सत्य भक्त नाम के युवक ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन कर लिया था और स्वयं उसका सचिव बना था। लेकिन यह संगठन सत्य भक्त का जेबी संगठन ही साबित हुआ। वामपंथी विद्धान ऐरिकस्टोक की थ्यौरी अवध में फेल साबित होती है। क्योंकि यहां पर न तो यूरोप जैसा औद्योगिक समाज था और न ही अमेरिका जैसी सामाजिक विभिन्नतायें। वास्तव में अवध के किसान किसान वर्गीय हितों के लिए शोषकों के खिलाफ संगठित प्रतिरोध कर रहे थे। अवध किसान आन्दोलन में देहाती बुद्धिजीवियों की भूमिका भी अत्यन्त महत्पूर्ण थी। देहाती बुद्धिजीवियों में साधु, बाबा तथा फकीर आदि आते थे। यही देहाती बुद्धिजीबीं अपने भजनों के माध्यम से किसानों को शोषकों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करते थे। अवध किसान आन्दोलन में सीताराम शब्द जादू की तरह काम करता था। जब बाबा राम चन्द्र को किसानों की औचक पंचायत बुलानी होती थी तो वह एक पेड़ पर चढ़ जाते थे और सीताराम-सीताराम की रट लगाते थे। जो भी किसान जहां से सीताराम की ध्वनि सुनता था वह वहीं से सीताराम-सीताराम की रट लगाने लगता था और किसान कौंसिल की तरफ भागता था। इस तरह घण्टे भर में ही हजारों की तादाद आपात बैठक के लिए जुट जाया करते थे। 20वीं शताब्दी के पूर्वाद्ध में सूचना का इससे अच्छा साधन नहीं हो सकता था। देहाती बुद्धिजीवियों की भूमिका के चलते एक और अच्छी चीज इस किसान आन्दोलन से जुड़ गयी थी। वह थी सदानीरा गंगा। अवध किसान सभा का सदस्य बनने के लिए माँ गंगा की सौगन्ध खानी पड़ती थी। होता यह था कि किसान पंचायतों में एक नाली खोदी जाती थी जिसमें पानी भरा जाता था। यही नाली गंगा का रूवरूप मान ली जाती थी। जब किसी किसान को अवध किसान सभा की सदस्यता दिलायी जाती थी वह किसान इसी नाली में खड़ा होकर शोषकों के खिलाफ लड़ने की कसम खाता था। देशी-विदेशी शोषकों के खिलाफ आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका अवध किसान आन्दोलन की खासियत थी। महिला किसानों ने इस आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। महिलाओं की चेतना का ठोस स्वरूप आगे चलकर अखिल भारतीय किसानिन सभा के रूप में सामने आया। संभवतः भारत के गांव देहात की मेहनतकश महिलाओं का यह पहला संगठन था। इस संगठन की महिलाओं ने सितम्बर 1927 में हो रहे किसान प्रदर्शन के दौरान महती भूमिका निभायी। दरअसल पुलिस ने जमींदारों के उकसावे पर बाबा राम चन्द्र को गिरफ्तार कर लिया था। बाबा को छुड़ाने के लिए हजारों की तादाद में किसानों ने प्रतापगढ़ की जेल को चारों तरफ से घेर लिया था। इस पर पुलिस ने किसानों पर लाठी चार्ज किया। लाठी चार्ज के दौरान किसान तो निहत्थे थे। लेकिन किसानिनों के हाथों में लाठियां थीं। किसानों को बचाने के लिए सैकड़ों किसानिनों ने पुलिस पर हमला कर दिया और पुलिस को हथियार डालने पर विवश कर दिया था। इतिहासकार इस घटना को महिलाओं की उदात्त चेतना करार देते हैं।

> *किसानिन भारत के गांव देहात की मेहनतकश महिलाओं का यह पहला संगठन था*

किसानों एवं खेतिहर मजदूरों की चेतना से अवध किसान आन्दोलन जल्द ही पूरे उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही वर्षों में किसान आन्दोलन की लौ सुदूर दक्षिण तेलंगाना तक पहुंच गई। बाबा राम चन्द्र को इस आन्दोलन को अखिल भारतीय स्वरूप देने के लिए एक उच्च शिक्षित नेतृत्व की जरूरत थी, जो उन्होंने जवाहर लाल नेहरु के रूप में खोज निकाला।

हालाकि बाबा अपनी इस भूल पर जीवन भर पछताते रहे। वह शहरी कांग्रेसी नेताओं की दोगली भूमिकाओं से खफा थे। भारत के किसानों और देहाती समाज से जवाहर लाल नेहरु का परिचय पहली बार प्रतापगढ़ के रूरे गांव की एक किसान पंचायत में हुआ। इस बात का जिक्र नेहरू जी ने भारत की खोज नामक अपनी पुस्तक में भी किया है। जवाहर लाल नेहरू के किसान आन्दोलन में शामिल होने के बाद बाबा राम चन्द्र का व्यक्तित्व अखिल भारतीय हो गया। पूरे देश में बाबा की बढ़ती लोकप्रियता से घबराये मोती लाल नेहरू ने एक बार बाबा को वार्ता के लिए इलाहाबाद स्थित आनन्द भवन में बुलाया और धोखे से उन्हें आनन्द भवन में नजरबन्द कर दिया। बाबा 9 दिनों तक आनन्द भवन में कैद रहे। इस दौरान उन्होंने किसान आन्दोलन और शहरी कांग्रेसी नेताओं के ऊपर एक डायरी लिखी थी जो आज भी तीन मूर्ति भवन नई दिल्ली में सुरक्षित है।

अवध किसान आन्दोलन जमींदारों और ताल्लुकेदारों के खिलाफ प्रारम्भ हुआ था। लेकिन बाद में यह ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ मोर्चा लेने लगा। ब्रिटिश हुकूमत अवध किसान सभा से इतनी भयभीत हो गयी थी कि लंदन में गोलमेज सम्मेलन के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी से बाबा राम चन्द्र से बात कर जमींदारों तथा ताल्लुकेदारों के हितों को सुरक्षित करने की बात कही थी। वास्तव में जमींदार और ताल्लुकेदार का हित किसानों से अधिक से अधिक कर वसूल कर अंग्रेजी हुकूमत को खुश करने में था।

शेष पृष्ठ नौ पर .....

74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आत्मनिर्भरता के लिए मंत्र दिया- आत्मनिर्भर कृषि और किसान से ही भारत आत्मनिर्भर बनेगा

आत्मनिर्भर किसान-आत्मनिर्भर भारत

- एक हजार दिन में सभी छह लाख से अधिक गांवों में आप्टीकल फाइबर नेटवर्क पहुंचाने का लक्ष्य
- खेती और किसान अब बंधन मुक्त, कहीं भी बेचें उपज, बंधन वाले कानून खत्म
- कृषि क्षेत्र में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सशक्तिकरण का आधार बनेंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को लालकिला की प्राचीर से राष्ट्र के नाम संदेश में खेती-किसानी को प्राथमिकता में रखा। सैंतालीस वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का आधार,आत्मनिर्भर कृषि और आत्मनिर्भर किसान है। उन्होंने कहा हमने किसान और कृषि को बंधनों से मुक्त कर दिया है। अब किसान अपनी मर्जी से फसल को कहीं भी बेच सकता है। पहले ऐसा नहीं था, किसान अपनी मर्जी से कहीं भी उपज नहीं बेच सकता था। एक दायरा था, अब वह दायरा खत्म कर दिया गया है। किसान की आय में वृद्धि के भी प्रयास किये जा रहे हैं। इनपुट कास्ट को कम करने की कोशिश हो रही है। हमारा प्रयास है कि कृषि में भी आधुनिकीकरण हो तथा किसान की उपज का मूल्य बढ़े। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में कृषि क्षेत्र के लिए एक लाख करोड़ रुपये की इंफ्रास्ट्रक्चर फंड जारी किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग और छोटे व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में बनने वाले एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) आर्थिक सशक्तिकरण के आधार बनेंगे। श्री मोदी ने कहा कि मूल्य वृद्धि और कृषि क्षेत्र में बदलाव समय की आवश्यकता हैं।

आत्मनिर्भर भारत की चुनौतियां

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भरत भारत के बारे में आशंकाएं भी कम नहीं हैं। यह बात सही है कि इसके सामने चुनौतियां हैं। लेकिन, करोड़ों समाधान देने की शक्ति भी है, जो समाधान देगी।

कोरोना के आने से पहले देश में एन-95 मास्क नहीं बनता था, अब बनने लगा है। पीपीई किट नहीं बनती थी, अब बनने लगी। इसलिए स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में 'वोकल फार लोकल' एक मंत्र बन जाना चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

आत्मनिर्भर भारत को एक सपना बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संकल्प अब एक मंत्र बन गया है। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि 20-21 वर्ष की आयु में परिवार भी बेटे-बेटियों को अपने पैरों पर खड़े होने को कहने लगता है। हम तो अब 75 वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए जो परिवार के लिए जरूरी है, वही देश के लिए भी जरूरी है। हमें अपनी सामर्थ्य पर भरोसा है, अपनी सोच पर भरोसा है, एप्रोच पर भरोसा है। इसलिए हमें विश्वास है कि भारत आत्मनिर्भरता को चरितार्थ करेगा। श्री मोदी ने कहा कि भारत ठान लेता है तो करके दिखाता है। इसलिए दुनिया को भारत से अपेक्षा भी है। इसलिए इसे हमें योग्य बनाना तथा आत्मनिर्भरता के लिए तैयार करना आवश्यक है। आत्मविश्वास से भरे भारत की पहली शर्त आत्मनिर्भरता ही है।

उन्होंने कहा हमने 'बसुधैव कुटुम्बकम्' और 'जय जगत' के संदेश दिये हैं। इसलिए हमारा विचार संस्कार से युक्त है। मानव और मानवता का कल्याण चिंतन के केन्द्र में है। दुनिया इंटरकनेक्ट हो रही है। इसलिए हमारा दुनिया में योगदान बढ़ना चाहिए। इसके लिए स्वयं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना होगा। खुद को सामर्थ्यवान बनाना होगा। तब हम दुनिया के कल्याण की दिशा में कदम उठा सकेंगे। हमारे पास प्राकृतिक संपदा का प्रचुर प्रचुर भंडार है, मानव संपदा है। हम कब तक कच्चा माल बाहर भेज कर सामान मंगाते रहेंगे। यह खेल कब तक चलेगा। हमें अपने यहा उतंपादन करना होगा। वेल्यू एडिशन करना होगा। एक समय देश गेहूं बाहर से मंगाता था, आज हम आत्मनिर्भर हैं। अब हम अन्य देशों को गेहूं भेजते हैं।

महापर्व का संकल्प

"हम जब अगला स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे, तब आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होंगे। इसलिए हम अगले दो वर्ष संकल्प का महापर्व मनाएंगे। हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए स्वयं को न्यौछावर किया। गुलामी के काल में कोई पल, कोई क्षण ऐसा नहीं था। जब संघर्ष न हुआ हो, त्याग न हुआ हो। उन बलिदानी वीरों को नमन है। आजादी की जंग में एक ओर सशस्त्र क्रांति दूसरी ओर जनआन्दोलन साथ-साथ चले आजादी की लड़ाई के दौरान भारत की आत्मा को कुचलने भी अनेक प्रयास हुए। साम-दाम सब कुछ हुआ, किन्तु आजादी की ललक ने सभी मंसूबों को ध्वस्त कर दिया। वे मानते थे कि यह विविधताओं का देश है, आजादी की लड़ाई नहीं लड़ सकता है । किन्तु अपनी अंतरनिहित शक्ति से भारत खड़ा हुआ और स्वतंत्रता प्राप्त की।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषित किया

नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन

-एक सौ दस लाख दस हजार करोड़ रुपये के नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर कार्य
-आतंवाद और विस्तारवादी नीति वाले देशों को चेतावनी
-सीमावर्ती और समुद्रतटीय 173 जिलों में एक लाख एनसीसी कैडेट तैयार किये जाएंगे
-लाल किले से राम मन्दिर निर्माण आरंभ होने की चर्चा

नई दिल्ली, 15 अगस्त 2020 (उत्तर प्रदेश समाचा सेवा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 74 वें स्वतंत्रता दिवस पर देश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन की घोषणा की हह्य। इसके अंतर्गत देश के प्रत्येक नारिक को डिजिट हेल्त आईडी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने देश के सभी छह लाख से अधिक गांवों में एक हजार दिन में आप्टीकल फाइबर नेटवर्क पहुंचाने के लक्ष्य की भी घोषणा की हह्य। प्रधानमंत्री ने योजना की घोषणा की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्रचीर से एक घंटा 31 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने का दो साल का महासंकल्प लेने का भी आह्वान किया। उन्होंने लाल किले से राष्ट्र के संदेश में अयोध्या का भी जिक्र किया तथा राम मन्दिर निर्माण आरंभ होने की चर्चा की। इसके शांति पूर्ण ढंग से संपन्न होने पर प्रसन्नता भी व्यक्त की।

आतंकवाद और विस्तारवादी नीति अपनाने वाले पड़ोसी देशों को बगह्यर नाम लिये चेतावनी दी हह्य। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नेशनल क्ह्य डेट कोर की महत्ता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 173 जिलों में एक लाख क्ह्य डेट तह्यार करने की भी

74वें स्वतंत्रता दिवस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्बोधन में आज देश की जनता के आत्मविश्वास, संकल्प और ऊर्जा शक्ति की को प्रबल बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कोरोना काल में भारत ने जिस तरह इस आपदा का सामना किया, जनता ने संघर्ष किया और दृढ़ता का परिचय दिया उसकी प्रधानमंत्री मोदी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन

प्रधानमंत्री ने आज सबसे अहम घोषणा स्वास्थ्य क्षेत्र में की। उन्होंने देश की जनता के लिए एक ऐसे डिजिटल कार्ड को जारी करने की योजना की घोषणा की जिसमें प्रत्येक नारिक का स्वास्थ्य विवरण दर्ज होगा। इस कार्ड में नागरिक का स्वास्थ्य विवरण, रोगों के साथ-साथ दवाओं की जानकारी, जांचों का विवरण दर्ज होगा। यह हेल्थ आईडी होगी। इसके अलावा उन्होंने कोरोना काल में देश के हेल्थ वेलनेश सेंटर के योगदान और एमबीबीएस की सीटें बढ़ाने की भी जानकारी दी। श्री मोदी ने कहा कि जब देश में कोरोना आया तो एक टेस्टिंग लह्यब थी, आज 1400 से अधिक लह्यब काम कर रही हह्यं। तब एक दिन में मात्र 300 टेस्ट करने की क्षमता थी, आज हम एक दिन में सात लाख से अधिक टेस्ट कर पा रहे हह्यं।

वह्यक्सीन के उत्पादन और वितरण की व्यवस्था पूर्ण

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश वह्यक्सीन का इंतजार कर रहा हह्य। इसके निर्माण में हमारे वह्यज्ञानिक दिन रात जी जान से जुटे हह्यं। एक नहीं तीन-तीन वह्यक्सीन पर एक साथ काम हो रहा हह्य। निर्धारित समय पर जब वह्यज्ञानिक और विशेषज्ञ अनुमति देंगे तब इसे जारी किया जाएगा। इसके उत्पादन और वितरण के लिए हमने पूरी व्यवस्था कर ली हह्य। जह्यसे ही वह्यक्सीन आएगी तेजी से इसका वितरण किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर को धारा 370 से आजादी

श्री मोदी ने इस मौके पर धारा 370 हटाए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाए हुए एक साल पूरा हो गया हह्य। वहां विकास की गति तेज हो गई हह्य। विकास की नई यात्रा शुरू हुई हह्य। धारा 370 का हटना एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। लद्दाख में राष्ट्रपति शासन की मांग बहुत पुरानी थी। इसे पूरा किया गया हह्य। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सच्ची ताकत चुनी हुई इकाइयों में हह्य। जम्मू कश्मीर में डी लिमिटेशन का काम चल रहा हह्य, यह जह्यसे ही पूरा होगा, चुनाव होंगे। इसके लिए देश प्रतिबद्ध हह्य।

दुनिया ने देखा क्या कर सकता हह्य भारत

प्रधानमंत्री ने अपने पड़ोसियों को भी परोक्ष रूप से चेतावनी दी। सीमा सुरक्षा की बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि दुनिया लद्दाख में देख चुकी हह्य कि भारत क्या कर सकता हह्य। उन वीरों को नमन जिन्होंने लद्दाख में शौर्य का परिचय दिया। श्री मोदी ने कहा कि भारत जोश से बढ़ा हह्य, अपनी सामर्थ्य से आगे बढ़ रहा हह्य। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवाद और विस्तारवाद का डटकर मुकाबला किया हह्य।

अयोध्या विवाद का शांतिपूर्ण समाधान

श्री मोदी ने मंच से अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण आरंभ होने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सदियों के विवाद का शांतिपूर्ण ढंग से अंत हो गया हह्य। अभी दस दिन पहले ही वहां मन्दिर निर्माण का काम शुरू हो गया हह्य। यह भारत की सभ्यता और संस्कृति की शक्ति का परिचायक हह्य।

एनसीसी का विस्तार

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एनसीसी का विस्तार करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती और समुद्र तटीय 173 जिलों को चिन्हित करके उनमें एनसीसी क्ह्य डेट की भर्ती का जाएगी। एक लाख एनसीसी क्ह्य डेट भर्ती होंगे। इन्हें सेना, नौ सेना तथा वायु सेना द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें एक तिहाई महिलाएं होंगीं। इन्हें सेना के लिए ट्रेंड मह्यन पावर व स्किल्ड जवानों के रूप में तह्यार किया जाएगा।

अजय प्रताप सिंह यादव

युवा जिपं अध्यक्ष, नई सोच-नई दिशा

शाहजहांपुर। संपूर्ण उत्तर प्रदेश में सबसे कम उम्र के जिला पंचायत अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण करने वाले अजय प्रताप सिंह यादव उच्च शिक्षा प्राप्त करके राजनीति के क्षेत्र में आये हैं। उन्होंने बिजनेस मैनेजमैंट की डिग्री बीबी.ए और विधि स्नातक की डिग्री एलएल.बी प्राप्त की है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पद से सीधे जनपद शाहजहांपुर के प्रथम नागरिक होने का गौरव प्राप्त करने वाले अजय प्रताप सिंह यादव का मानना है कि जनसेवा ही उनका सबसे बड़ा धर्म है। अट्ठाइस वर्षीय अजय प्रताप यादव अपना साढे चार साल का कार्यकाल जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में पूरा कर चुके हैं। श्री अजय प्रताप सिंह यादव से ग्राम भारती के प्रतिनिधि संजीव कुमार गुप्त ने बातचीत की। प्रस्तुत हैं साक्षात्कार के प्रमुख अंश।

विकास के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री यादव ने बताया कि उन्होंने अपने चार साल छह माह के कार्यकाल में 35 किमी सड़क डामरीकरण कराया तथा 290 किमी खडंजा डलवाने का काम कराया है। गांवों में पांच हजार से अधिक वृक्षारोपण कराया गया है। जिला पंचायत की गांवों में 99 एकड़ कृषि भूमि है जिससे प्रतिवर्ष 15 लाख रुपये की आय प्राप्त की जा रही है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि उनके संपर्क में जो भी आता है। सभी की पूरी तरह से संतुष्टि करने का प्रयास करते हैं। अनेक छोटे-छोटे काम करने से उन्हें खुशी मिलती है। गांव के अन्दर रास्ते, लिंक रोड, मजरा से मजरा को जोडकर लिंक रोड बनाने का काफी काम उन्होंने किया है। विकास कार्यों में लगभग 150 करोड़ रुपये व्यय किये जा चुके हैं। बंडा और खुदागंज में जिला पंचायत के परिषदीय स्कूल भी हैं जोकि उनकी देखरेख में चल रहे हैं। यह कार्यकाल पूरा होने के बाद क्या करेंगे, इस प्रश्न के उत्तर में अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि उनका इरादा सिर्फ राजनीति करने का है। सपना भारत के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचने का है। बाकी पार्टी संगठन के ऊपर निर्भर है कि वह क्या करने का दायित्व देती है। अजय प्रताप सिंह अपने गांव नियामतपुर में कृषि विज्ञान केन्द्र खोले जाने को भी एक बड़ी उपलब्धि बताते हैं। इसके लिए जमीन इनकी ग्राम पंचायत ने ही प्रदान की। क्षेत्र की जनता को जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव से आगे भी बहुत उम्मीदें हैं। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव के पिता वीरेन्द्र प्रताप सिंह यादव भी पांच साल तक जिला पंचायत के अध्यक्ष रहे हैं। वह भाजपा के जिला अध्यक्ष भी रहे।

विकास के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री यादव ने बताया कि उन्होंने अपने चार साल छह माह के कार्यकाल में 35 किमी सड़क डामरीकरण कराया तथा 290 किमी खडंजा डलवाने का काम कराया है।

पंचायत प्रतिनिधि साक्षात्कार

आजादी के पांच वर्ष पूर्व ही धानापुर थाने पर लहराया था तिरंगा

श्रीप्रकाश यादव

चंदौली। धानापुर कांड संभवतः भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एकमात्र घटना हह्य। जिसमे आजादी के 5 वर्ष पूर्व 16 अगस्त सन 1942 में जंगे-आजादी के दीवानों ने थाने पर तिरंगा फहराया था। लगभग 10 दिनों तक तिरंगा पूरे शान के साथ लहरता रहा। यानी उस वक्त के जनपद वाराणसी का धानापुर थाना क्षेत्र पूरे 10 दिनों तक अघोषित रूप से स्वतंत्र रहा। इस पूरे घटनाक्रम का नेतृत्व हेतमपुर निवासी कामता प्रसाद विद्यार्थी ने किया। जिन्होंने आजादी के बाद लगातार दो बार धानापुर विधान सभा का प्रतिनिधित्व किया। बाद में उन्होंने पिछड़े ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगाई व कुटीर उद्योग के क्षेत्र में क्रांति का संचार किया। 17 अगस्त 1990 को विद्यार्थी जी ने 94 वर्ष की आयु में इस फानी दुनिया को अलविदा कह दिया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान स्व. कामता प्रसाद का युवा मन महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन से प्रेरित होकर भारत माता की बेड़ियां तोड़ने को आतुर हो गया। विभिन्न आन्दोलनों का हिस्सा बने विद्यार्थी जी ने धानापुर में अंग्रजों के विरुद्ध क्रांति का बिगुल फूंका। उनके नेतृत्व में आजादी के दीवानों की टोली कुछ कर गुजरने को मचलने लगी। 10 अगस्त 42 को गुरहूँ में बंदोबस्ती के अभिलेख जला दिए गए। यह निर्णय लिया गया कि 16 अगस्त को धानापुर थाने पर तिरंगा फहराया जाएगा। थानेदार अनवारुल हक ने आजादी के दीवानों को चुनौती दी कि थाने के पास भी फटके तो भून दिए जाओगे। क्रांतिवीरों में भय तो जह्यसे था ही नही। नियत समय पर धानापुर के कालिया छावनी पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। देश भक्ति के गीतों पर झूमते भारत माता के सपूत थाने के मुख्य द्वार पर पहुंचे। सिपाहियों के साथ तह्यनात थानेदार ने उन्हें आगे न बढ़ने की चेतावनी दी। विद्यार्थी जी व उनके साथी आगे बढ़े। थानेदार ने फायरिंग का आदेश दिया।मंहगू सिंह, रघुनाथ सिंह व हीरा सिंह गोलियों से छलनी हो और विद्यार्थी जी ने दीवार फांदकर थाने पर तिरंगा फहराया दिया। साथियों की मौत से क्रुद्ध भीड़ ने थानेदार व सिपाहियों को लाठी-डंडे से मारकर मौत की नींद सुला दिया व थाने के फर्नीचर व अभिलेखों के बीच उनकी चिता जला दी। शहीदों के शव का अंतिम संस्कार किया और सभी फरार हो गए। इस घटना ने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दे डाली। दस दिन तक तिरंगा थाने के शीर्ष पर शान से फहरता रहा। कड़े विरोध के 10 दिनों बाद जब अंग्रेजों की टुकड़ी धानापुर थाने पर पहुंची तो गवर्नर चर्चिल को लंदन की असेम्बली में घोषणा करनी पड़ी कि श्धानापुर ऑफ वाराणसी हह्यज बीन रिकोंकर्ड ।श मुकदमा चला और बाद में विद्यार्थी जी को फांसी की सजा हुई। 15 अगस्त सन 1947 को स्वत्रंता की घोषणा के बाद उन्हें जेल से रिहा किया गया। कतिपय कारणों से भारत की स्वतंत्रता के इतिहास में यह अविस्मरणीय घटना दर्ज नही हो पाई।

थानेदार ने फायरिंग का आदेश दिया। मंहगू सिंह, रघुनाथ सिंह व हीरा सिंह गोलियों से छलनी हो और विद्यार्थी जी ने दीवार फांदकर थाने पर तिरंगा फहराया दिया। साथियों की मौत से क्रुद्ध भीड़ ने थानेदार व सिपाहियों को लाठी-डंडे से मारकर मौत की नींद सुला दिया। दस दिन तक तिरंगा थाने के शीर्ष पर शान से फहरता रहा। कतिपय कारणों से भारत की स्वतंत्रता के इतिहास में यह अविस्मरणीय घटना दर्ज नही हो पाई।

मण्डी शुल्क समाप्त करना क्रांतिकारी कदम

विशेष साक्षात्कार

शाहजहांपुर के विकास खण्ड खुटार के ग्राम माधौपुर निवासी हरिप्रकाश वर्मा पेशे से वकील हैं। वे वकालत के सिलसिले में अब शाहजहांपुर नगर में ही निवास करते हैं। उनके सभी परिजन अब अपना मूल गांव माधौपुर छोड़कर इसी ब्लाक के रामपुर कलां में रहते हैं। परिवार के सभी सदस्य कृषि आधारित जीवन अपनाए हुए हैं। श्री वर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक हैं तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के नगर मंत्री रहे हैं। सन् 2000 में विद्यार्थी परिषद् से शुरुआत करने वाले श्री वर्मा सन् 2004 में बिजनौर और अमरोहा में संगठन मंत्री रहे। उन्होंने मेरठ में परिषद् के कार्यालय पर रहकर ही वकालत की पढाई की तथा एलएल.बी की डिग्री ली। राजनीति में पदार्पण करने पर वर्ष 2010 में वे भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद 2013 से 2016 तक भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य रहे। वर्ष 2016 में भाजपा के जिला महामंत्री बनाए गए। 2017 में ब्रज प्रांत के महामंत्री बनाए गए। वर्ष 2019 में उन्हें भाजपा का जिला अध्यक्ष बनाया गया।

***भाजपा जिलाध्यक्ष रहिप्रकाश वर्मा से उ.प्र. समाचार सेवा के संवाददाता संजीव कुमार गुप्त** ने विस्तृत बातचीत की प्रस्तुत हैं प्रमुख अंशः*

राजनीति के साथ खेती-किसानी करने वाले जिला अध्यक्ष से पूछा कि उन्होंने किसानों के लिए क्या क्या किया है।

उन्होंने कहा कि प्रयास करके जिले में साठा धान पर प्रतिबंध लगवाया। इस धान के कारण भारी मात्रा में जल दोहन हो रहा था। छोटा किसान इससे आपदाग्रस्त था। साठा धान के स्थान पर यहां दलहन, तिलहन और मक्का को प्राथमिकता प्रदान कराई। इससे छोटे किसानों को कम लागत में ज्यादा लाभ मिलेगा।

दूसरा महत्वपूर्ण कार्य गेहूं खरीद में किसानों का होने वाला शोषण रुकवाया। इस कार्य में जिलाधिकारी का भी सहयोग मिला। इस समय सरकार सहकारी खेती पर बल दे रही है। किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से छोटे छोटे किसानों को पूंजीपतियों के चंगुल में फंसने से बचाया जा रहा है। इसमें छोटे व मध्यम किसानों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया जारहा है।

खेतिहर मजदूरों का पंजीकरण कराकर बैंकों में उनके भी खाते खुलवाये जा रहे हैं। ताकि उन्हें गरीबों के लिये मिलने वाली सभी सुविधाएं मिल सकें। उनके बच्चों को उचित शिक्षा मिल सके। उनका शोषण रोकने के लिए ये उपाय किये जा रहे हैं।

उन्होंने सरकार को सलाह दी है कि ग्रामीण क्षेत्र की 70 से 80 प्रतिशत आबादी कृषि से जुड़ी है। अतः ग्रामीण क्षेत्र के सभी स्कूलों में कृषि शिक्षा को प्रेक्टिकल के साथ पढ़ाया जाए। कृषि व संबंधित कार्यों से जुडी शिक्षा को अनिवार्य शिक्षा के रूप में रखा जाना चाहिए।

गन्ना किसानों के बकाया भुगतान के संबंध में पूछे गए सवाल के जबाव में जिलाध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि जनपद में बड़ी संख्या में किसानों का गन्ना मूल्य का बकाया भुगतान कराया गया है। चूंकि उत्पादन क्षेत्र तथा क्षमता बढ़ी है, इसलिए और अधिक प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चीनी उद्योग की आय बढ़ाने के लिए भी प्रयास किये जाने चाहिए। पिछली सरकारों के मुकाबले हमारी सरकार ने गन्ना किसानों का अधिकाधिक भुगतान कराया है।

श्री वर्मा ने बताया कि मण्डी शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। हमारी सरकार का यह क्रांतिकारी कदम है। कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और उनके कार्य तथा समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में हैं। उन्होंने कहा कि हमने सभी मंडल अध्यक्षों को भी निर्देश दिया है कि कार्यकर्ताओं के काम प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। अगर कोई अधिकारी शिकायत का समाधान नहीं करता है को उसकी जानकारी अपने लैटर पैड पर दें।

फसल बीमा पर जिलाध्यक्ष ने बताया कि बैंक और बीमा कंपनियां गडबडियां कर रही हैं। इसकी शिकायत शासन से की जा रही है। किसान सम्मान निधि के संबंध में आ रहीं दिक्कतों व समस्याओं के बारे में पूछे जाने पर श्री वर्मा ने कहा कि यह सुविधा सिर्फ किसानों को ही मिलेगी। जो अन्य व्यवसाय करते हैं तथा आयकर भरते हैं उन्हें नहीं मिलेगी।

पृष्ठ पांच का शेष.....
अवध का किसान आन्दोलन

कोई भी आन्दोलन शोषण की प्रतिक्रिया स्वरूप ही प्रारम्भ होता है। शोषक चाहे देशी हों या विदेशी। लेकिन यहां तो दोंनों शोषक वर्ग मिलकर किसानों का खून चूस रहे थे। इसलिए किसानों की प्रतिक्रिया दोनों तरह के शोषकों के विरूद्ध थी। किसान आन्दोलन के दौरान आन्दोलनकारियों ने कई जगहों पर लूट-पाट भी की थी। इसलिए ब्रिटिश हुकूमत के दस्वेजों में किसानों के लिए लुटेरों और डकैतों जैसे शब्दों का प्रयाग हुआ है। लेकिन किसानों ने यदि कहीं लूट-पाट की भी थी, तो उनका उद्देश्य सिर्फ लूट-पाट करना ही नहीं था बल्कि उनका उद्देश्य तो शोषकों में भय उत्पन्न करना था। उदाहरण के तौर पर रायबरेली जनपद के करहिया बाजार में किसानों ने दो जमींदारों के घरों में लूट-पाट की, लेकिन बाजार के अन्य व्यापारियों तथा दूसरे लोगों को बख्श दिया। हालांकि अवध किसान आन्दोलन अपने लक्ष्य तक पहुंचने के पहले ही मद्धिम पड़ गया। लेकिन इसने ब्रिटिश हुकूमत की चूलें हिलाकर रख दीं। बाबा राम चन्द्र अपनी एक भूल के लिए जीवन भर पछताते रहे। वह भूल थी आन्दोलन से शहरी कांग्रेसी नेताओं को जोड़ना। दर-असल शहरी कांग्रेसी नेता ब्रिटिश हुकूमत का विरोध तो करते थे लेकिन जमीदारों और ताल्लुकेदारों के साथ ही देशी पूंजीपतियों का भी हित संवर्धन करते थे। इसलिए कांग्रेस के आन्दोलन और अवध किसान आन्दोलन में मूलभूत अन्तर था। कांग्रेस के आन्दोलन में जहां विदेशी विचारों का तड़का लगता था, वहीं अवध किसान आन्दोलन का आचार-विचार ठेठ देशी था।

ग्राम भारती पाक्षिक के लिए स्मामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सर्वेश कुमार सिंह द्वारा माडर्न प्रिन्टर्स, 10 घसियारी मण्डी, कैसरबाग,लखनऊ से मुद्रित एवं 103-117, प्रथम तल, प्रिंस काम्पलेक्स हजरतगंज, लखनऊ 226001 से प्रकाशित सह संपादकः देवेश कुमार त्रिपाठी
फोनः 9453272129 व्हाट्सएपः 9140624166, ई-मेल grambhartilko@gmail.com

ग्राम भारती
विज्ञापन दर

एक पूर्ण पृष्ठ (रंगीन): 20,000.00
एक पूर्ण पृष्ठ (सामान्य): 10,000.00
आधा पृष्ठ (सामान्य): 05,000.00
चौथाई पृष्ठ (सामान्य): 02,500.00
(अंतिम पृष्ठ 100 प्रतिशत अतिरिक्त)

समस्त विज्ञापन मूल्य का भुगतान ग्राम भारती के नाम से बैंक ड्राफ्ट, चेक के माध्यम से करें।

A/c Name: "GRAM BHARTI"
For RTGS/NEFT: VIJAYA BANK
A/c No. 710600301000328
IFSC Code: VIJB0007106
Branch-Hazratganz, Lucknow-226001

नगर पालिका परिषद् लहरपुर, जनपद सीतापुर

15 अगस्त 2020 स्वतंत्रता दिवस
के शुभ अवसर पर

अपने नागरिकों का हार्दिक स्वागत एवं अभिन्नंदन करती है।

नगर पालिका बोर्ड के कार्यकाल की उपलब्धियां

प्रगति के आयाम

1.स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत दिये गए दिशा-निर्देश के क्रम में समस्त सड़कों, नालियों की सफाई सुनिश्चित कर दैनिक कूड़े का निस्तारण कर चूने का छिड़काव कराया जा रहा है। लक्ष्य के सापेक्ष 1600 व्यक्तिगत शौचालयों का लाभ नगरवासियों को दिलाया गया।

2. नगर के 500 मीटर की दूरी पर एक-एक सामूदायिक शौचालय, महिलाओं हेतु पिंक शौचालय तथा सार्वजनिक शौचालय बनाया गया है।

3. शाहकुलीपुर में शारदा कैनाल रोड पर पालिका की भूमि पर एमआरएफ सेंटर (कूड़े का निस्पादना) का निर्माण कार्य कराने हेतु प्रस्तावित।

4. पुलिस चौकी में महिला चेंजरूम तथा वाशरूम का निर्माण कार्य कराया गया।

5. नगर के मुख्य चौराहों पर फौव्वारों का निर्माण कार्य।

6. नगर के विभिन्न क्षतिग्रस्त मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर इन्टरलाकिंग सीसी रोड़ में परिवर्तित करना।

7. नगर के क्षतिग्रस्त नालों को पक्का कराकर जल निकासी में सुधार करना।

8. पेयजल व्यवस्था में पाइप लाइन विस्तार करते हुए जल संयोजन में वृद्धि करना।

9. प्रतिमाह नियमित अंतराल पर कोरोना वायरस के बढते प्रकोप को देखते हुए नगर को कई बार कीट-नाशक दवाओं से छिड़काव कर सैनेटाइज कराया जा रहा है।

नागरिकों से अपेक्षाएं

1. पालिथीन का प्रयोग दण्डनीय अपराध है। इसका प्रयोग कदापि न करें ।

2. गृहकर, जलकर व जल मूल्य व विविध लाइसेंस शुल्क जमा कराना सुनिश्चित करें।

3. शुष्क शौचालय का निर्माण व उपयोग दण्डनीय अपराध है। खुले में शौच करना दण्डनीय अपराध है।

4. जल ही जीवन है। पेयजल का दुरुपयोग कदापि न करें,तथा नल की टोंटी खुली न छोड़ें।

5. सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा न फेंकें। 'स्वच्छ भारत मिशन' के अन्तर्गत नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें तथा डोर-टू-डोर कूड़े वाले पालिका सफाईकर्मी को ही अलग-अलग गीला-सूखा कूड़ा दें।

6. आप हमें सहयोग देंगे, हम आपको समुचित नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु वचनबद्ध हैं।

7. साबुन व पानी से दिन में कई बार कम से कम 20 सेकेण्ड तक हाथ धोएं या अल्कोहल युक्त सैनेटाइजर का प्रयोग करें।

8. बाहर निकलने पर मास्क/ रूमाल/ गमछा आदि का प्रयोग करें। हाथ न मिलाएं, नमस्ते करें।

9. बुखार, खांसी, जुकाम आने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

10. सार्वजनिक स्थानों पर एक दूसरे से कम से कम 02 गज अर्थात सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें एवं वस्तुओं को अनावश्यक छूने से बचें।

11. योगासन, प्राणायाम करें अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ायें।

नगर आपका है, इसे स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु अपना अमूल्य सुझाव मुझे सदैव देते रहें जिससे नगर पालिका बेहतर सेवा नागरिक मूलभूत सुविधाएं प्रदान कर सके।

आपकी सेवा में सदैव तत्पर आपका अपना

(मो. हनीफ खां)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद्, लहरपुर

सम्मानित सभासदगण

(मो.जासमीन अंसारी)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद्, लहरपुर

'स्वतंत्रता दिवस'

के महापर्व पर राष्ट्रसेवा में
अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी अमर बलिदानियों
को कोटि-कोटि नमन एवं समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुकामनाएं....

डा. जयपाल सिंह व्यस्त

सदस्य, विधान परिषद् उ.प्र.
बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातद क्षेत्र

पीठासान अधिकारी, विधान परिषद्
समापति, विशेषाधिकार समिति

2/135, बुद्धि विहार, आवास विकास कालोनी,
दिल्ली रोड, मुरादाबाद-244001
मो. 9412246045

जल-जंगल, जमीन, जीव-जंतु को बचाना है।
प्रकृति और पर्यावरण को फिर से हराभरा बनाना है।
जीवों पर दया करें, इनकी वेदना को समझें।

राज माहेश्वरी

समाज सेवी/पशु प्रेमी
नगर अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद्, मिर्जापुर
निवास : त्रिमुहानी, मिर्जापुर, (उ. प्र.)

अजन्ता नमकीन

(सर्व श्रेष्ठ स्वाद)

अजय गुप्ता

हमारे उत्पाद :
दिवानी नमकीन, चटपट नमकीन,
मनचली नमकीन, सेव मखाना,
चूड़ा नमकीन, चना-दाल नमकीन
जीरा खारी इत्यादि।

निर्माता :

अजन्ता इन्टरप्राइजेज़

गल्ला मंडी, चौक, आजमगढ़
मो. 9415833989

मा. नरेन्द्र मोदी
प्रधान मंत्री

मा. योगी आदित्यनाथ
मुख्य मंत्री

मा. सुरेश खन्ना
मंत्री

मा. आशुतोष टण्डन
मंत्री

नगर पंचायत खुदागंज, शाहजहाँपुर

स्वतंत्रता दिवस पर सभी देशवासियों को

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

स्वच्छता हमारा मिशन
कोविड-19 को हराने के लिये
घर पर ही रहें-सुरक्षित रहें
बाहर निकलने पर मास्क का
प्रयोग अवश्य करें

सुधीर सिंह
(पति, नपा अध्यक्ष) पूर्व अध्यक्ष

अनुज कुमार रावत
अधिशासी अधिकारी

सुधा सुधीर सिंह
नगरपालिका अध्यक्ष

जिला पंचायत, शाहजहाँपुर

15 अगस्त 2020, स्वतंत्रता दिवस

के पावन दिवस पर
हम आजादी के लिए सर्वस्व बलिदान करने वाले
स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों
व सीमा की रक्षा करने वाले सभी अमर शहीदों
को शत-शत करते हैं
और उन्हें दंडवत् प्रणाम करते हैं।

वीरेन्द्र पाल सिंह यादव
पूर्व अध्यक्ष

महावीर सिंह यादव
अपर मुख्य अधिकारी

अजय प्रताप सिंह यादव
अध्यक्ष